

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेट्रो से चुनावी आगाज बोले, 370 भी असंभव लगता था, अब लोग 370 सीट का आशीर्वाद दे रहे...

मेरठ, करंट क्राइम। राम राम...पीएम मोदी ने अपने सांबेधन की शुरुआत राम नाम के साथ की। उन्होंने कहा कि मेरठ वीरों की धरती है, इस धरती पर बाबा और गुरु नाथ का आशीर्वाद है। इसने चौथी चरण सिंह जैसा सपूत्र दिया। भारत सरकार को भारत रव देने का सौभाग्य मिला है। यहाँ से 2014 में शुरुआत की थी 2024 में भी यहाँ से की है। यह सरकार बनाने या सांसद बनाने का चुनाव नहीं है।



मोदी को आने वाली पीढ़ियों की चिंता

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार तीसरे कार्यकाल की तैयारी कर रही है। ऐसे दिनों में बड़े फैसले लेने हैं उसका रोडमैप बन रहा है। अभी तो विकास का द्वारा ही देखा है। अभी बहुत अपेक्षा ले जाना है। मोदी की आपांकी पीढ़ियों के बारे में दिस साल का रिपोर्ट कार्ड समझने हैं। जो असंभव था वह ही रह रहा है। राम लला को मेरठ बन रहा है। ड्रॉन कार्यकारी और हाली खेलों की जिंदगी बना रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्तिवर्दन अधिनियम सच्चाई बन चुका है। 1370 भी असंभव लगता था। यह हाल और दोहरा देखा है। अब लोग 370 का आशीर्वाद दे रहे हैं।

पीएम ने कहा, मोदी गरीबी से भागी भागे समझता है। इलाज के लिए मुफ्त इलाजनीं की आपांका योजना बनाई। 80 करोड़ लोगों को राशन दिया जाएगा। यहाँ से नहीं पूछा जाएगा।

तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाएंगे

पीएम मोदी ने कहा, यह चुनाव विकासित बनाने का है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाएगा। जब भारत द्वितीया में वर्ष बहुत गरीबी है। जब पांचवीं बना तब करोड़ गरीबी लोग हुए। जब तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगी तब बहुत गरीबी पूरी तरह दूर हो जाएगी। एक नई कॉल्ड देवा। चार जून 400 पारा में नेले से कहा था, यही समय है सही समय है। आज भारत इंडिया में निवेश कर रहा है नए अंतर्राष्ट्रीय बनाया। इन दस साल में गरीब, महिला, युवा और किसान की चिंता की गई है। इरियाणा की तरफ से एक बात कहते हैं कि वहाँ की सभी दोस रीसे जिताकर देंगे।

चुनाव की घोषणा के बाद चुनावी अभियान की शुरुआत

प्रधानमंत्री रविवार दोपहर 3.15 बजे रेली स्थल केंद्रीय आतंकी अनुसंधान संस्थान पहुंचे। पीड़ीए के जवाब में भाजपा का जातीय गढ़जाहां समेत दिया। प्रधानमंत्री की रेली में अनुसूचित, अति पिछड़े, पिछड़े व सर्वपंथ समेत सभी जातियों का सम्मत दिया। प्रधानमंत्री की रेली में मेरठ-हापुड़ समेत पांच लोकसभा क्षेत्रों में जुनकरनगर, कैरना, विजनीर, बागपत की स्थानकर्ता रेली हैं, इसलिए सभी क्षेत्रों की हिस्सेदारी थी।

समझौते के बावजूद उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) ने नहीं किया सहेंडर

नई दिल्ली। प्रतिबंधित आंतरिकवादी समूह यूएनएलएफ (पी) चार महीने पहले केंद्र के साथ युद्धविवाद समझौते पर हस्ताक्षर करने के बावजूद हथियार सौंपने या अपने सदस्यों की सूखी देने में विकल रहा है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। साथ ही द्वारा जाना गया कि मणिपुर हिस्सा में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट का साथ ही रहा है।



सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया है कि यूएनएलएफ (पी) के बावजूद यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जो यूद्धविवाद समझौते की सूखी देने में विकल रहा है) अंतरिकवादी संगठन है। नेशनल एजेंसियों ने जारी किया है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। अपांकों बता दें कि यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि संघर्षविवादों ने जारी किया है कि यूएनएलएफ (पी)

जगन्नाथ मंदिर से हिरासत में लिया गया ब्रिटिश नागरिक पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप

भुजेश्वर। ओडिशा पुलिस ने एक ब्रिटिश नागरिक को हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि पहले उसने जगन्नाथ मंदिर में अनाधिकृत तरीके से प्रवेश किया। जब पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस की टीम पर ही हमला किया। इसके बाद तमाम पुलिसकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया। विवार को पक्का जगन्नाथ मंदिर से अधिकारी ने यह जानकारी दी। नेटवर्क में कोई चुनावी घटना नहीं है।

समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

मणिपुर में कई समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में यारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। यहाँ तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं।

